''बंधुआ मजदूरों की कही मुक्ति तो कही मुक्ति के लिए संघर्ष ज़ारी''

हिन्दूस्तान को आज़ादी मिल गई किन्तु आज भी करोड़ों मजदूर भारत में बंधुआ मजदूरी की बलो चढ़े हुए गुलामो काट रहे है। यहां तक सरकार तो ये घोषणा कर चुकी है कि देश में अब कोई बंधुआ मजदूर नही है, जबकि करोड़ों बंधुआ मज़दूर आज भी स्वतन्त्रता और सम्मान से जीने का हक मांग रहे है किन्तु देश का कोई भी आयोग हो या देश की सरकार हो सबके सब बंधुआ मजदूरी के मुद्दे पर काम में तेल डाल चुके है। किसी को भी बंधुआ मज़दूरों की चिखती दहाड़े सुनाई नही दे रही है और समाज में जिस वर्ग तक ये दर्द भरी चीखती चुकार पहुंच भी जाती है तो वह अपने कान में अंगुली डाल कर अपने आप को गांधी जी का तीसरा अनुयायी साबित कर देता है।

किन्तु ऐसी विपरित व विकट परिस्थितियों में भी बंधुआ मुक्ति मोर्चा के प्रयास से अनेकों बंधुआ मजदूरों को मुक्त करवाने का काम देशभर में जोरो पर चल रहा है चाहे सरकार भले ही बंधुआ मजदूरी मुक्त देश की झूठी घोषणाएं करती रहे। लगभग पिछले तीन माह के दौरान बंधुआ मुक्ति मोर्चा ने देश के मुरेना–म0प्र0, सुन्दरगढ़–झारखण्ड, गोरखपुर–उ0प्र0, अर्की–हिमाचल प्रदश, नवाशहर–जम्मू और भिवानी–हरियाणा से लगभग 120 बंधुआ मजदूर मुक्त करवाये हैं और उनका उनके निवास या जन्म स्थान पर पुनर्वास के लिए भेजा जा चुका है। बड़ी मशक्कत के बाद बंधुआ मुक्ति मार्चा मुरेना–म0प्र0, अर्की–हिमाचल प्रदश और भिवानी–हरियाणा के संबंधित प्रशासन से मुक्त करवायें गए बंधुआ मजदूरों को मुक्ति प्रमाण पत्र दिलवाने में सफल हुआ है। जबकि सुन्दरगढ़–झारखण्ड, गोरखपुर–उ0प्र0 और नवाशहर, जम्मू प्रशासन से मुक्त बंधुआ मजदूरों के मुक्ति प्रमाण पत्र के लिए वर्तमान में प्रयास जारी है।

जम्मू के नवाशहर तहसील के गांव–आगरा चक एवं गांव–पूरबपाना में राजा एवं चौधरी ईंट भट्टे पर कार्यरत लगभग 50 से भी अधिक छत्तीसगढ़ीया बंधुआ मजदूरों में से केवल 17 बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराने में सफलता हासिल हो पाई है किन्तु शेष सभी बंधुआ मजदूर मुक्ति के लिए आज भी तरस रहे है। जम्मू प्रशासन और सरकार की बंधुआ मजदूरों के प्रति बेरूखी और संवेदनशीलता का असली चेहेरा तब सामने आया जब पुलिस और मंत्रियों की उपस्थिति में ईंट भट्टा मालिक बंधुआ मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता को गोली से मार देने की धमकी देता है और धक्का मुक्की करने लगता है किन्तु पुलिस और मंत्रियों द्वारा मौनमूक होकर नजारा देखना और मौके से पुनः खाली हाथ लौट आ जाना साफ–साफ बयान करता है कि ईंट भट्टा मालिकों और प्रशासन की मिली भगत ही नही बल्कि राजनैतिक दबाव की सड़ाध मारती ताकते भी मुंह फाड़ते नज़र आती है। मानवाधिकार आयोग को भेजी शिकायत पर अभो तक कोई कार्रवाही होती नज़र नही आती है। आज भी बंधुआ मुक्ति मोर्चा चहुं दिशाओं से प्रयासरत है कि जम्मू में फंसे बंधुआ मजदूरों को किसी न किसी तरिके से आज़ाद करवाया जाये।

गोरखपुर–उ0प्र0 और सुन्दरगढ़–झारखण्ड से मुक्त करवाये गए बंधुआ मजदूरों को बड़े लम्बे संघर्ष के बाद मुक्ति मिल पाई। जिलाधिकारी एवं उप खण्ड अधिकारियों की कुटनीति के चलते उपरोक्त दोनों जिलो से मुक्त बंधुआ मजदूरों को बिना मुक्ति प्रमाण पत्र के छत्तीसगढ़ लौटना पड़ा।

अर्की–हिमाचल प्रदश में फंसे आसामी बंधुआ मजदूरों और भिवानी, हरियाणा के ईंट भट्टों में फंसे दलित बंधुआ मजदूरों को न केवल मुक्त करवाने में सफलता मिली बल्कि मुक्ति प्रमाण पत्र और साथ ही साथ सहयोग राशि के रूप में बीस–बीस हजार रूपयों के चैक भी दिलवाये गए। यही नही हरियाणा के ईंट भट्टे पर कायरत महिला मजदूरों की अस्मत से अपना मुंह काला करने वाले ईंट भट्टा मालिकों एवं उनके सहयोगियों को भिवानी प्रशासन के द्वारा गिरफ्तार करवाकर जेल की

सलाखों के भीतर पहुंचा डाला। बंधुआ मुक्ति मोर्चा ने अनुसूचित जाति आयोग की ओर से दोनों भट्टा मजदूरिनों को सहायता राशि के रूप में पैंसट–पैंसट हजार के चैक दिलवाये।

छत्तीसगढ़ीया बंधुआ मजदूरों के पुनर्वास के उद्देश्य से स्वामी अग्निवेश जी की अध्यक्षता में जांजगीर, छत्तीसगढ के बाराद्वार बस्ती गांव में बंधुआ मजदूरों का सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें सैकड़ों मुक्त बंधुआ मजदूरों ने पुनर्वास की गुहार लगाई। स्वामी अग्निवेश जी ने बंधुआ मजदूरों के पुनर्वास के लिए छत्तीसगढ़ सरकार से अपील की और बंधुआ मजदूरों को पुनर्वास के रूप में प्रदान की जान वाली सहायता राशि को 20 हजार से 50 हजार करने की मांग की।

सरकार द्वारा बंधुआ मजदूरी मुक्त देश का ऐलान करने पर एक्शन एड के सहयोग से जयपुर राजस्थान में आयोजित एक प्रेस वार्ता में स्वामी अग्निवेश जी ने सरकार को वास्तविक भारत से रूबरू कराया। देश में दिन ब दिन बढ़ती बंधुआ मजदूरों की संख्या और सरकार द्वारा बंधुआ मजदूरों को देखकर आंखें मुंद लेने के असंख्य उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सरकार की घोषणा को झूठा ठहराया।

भिवानी

अपराध | धनाना में 15 मजदूरों को भट्ठे पर बना रखा था बंधक, तीन पर केस

महिला मजदूरों से दुष्कर्म

भास्कर न्यूज | भिवानी

धनाना गांव के एक ईंट भट्ठे पर दो महिला मजदूरों के साथ कई दिनों तक सामूहिक दुष्कर्म होता रहा। यही नहीं उक्त मजदूर के परिवार के 15 सदस्यों को बंधक बनाकर काम भी करवाया गया। मजदूरों ने बंधुआ मुक्ति मोर्चा दिल्ली में शिकायत की तो मामला सामने आया। इस पर पुलिस हरकत में आई और सभी मजदूरों को मुक्त कराते हुए आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। महिला मजदूरों ने मुक्ति मोर्चा सदस्यों की मौजूदगी में डीएसपी को आपबीती बताई। इसके बाद सभी के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान करवाए गए और मेडिकल जांच कराई गई।

शिकायत में महिला मजदूरों ने बताया कि बुलंदशहर से उनके चार-पांच परिवारों के करीब 15 सदस्य यहां काम के लिए आए थे। वे धनाना गांव के भट्ठे पर काम कर रहे थे। यहां एक महीने के बाद मजदूरी मांगी तो ठेकेदार ने उनसे मारपीट कर जबरन काम लेना शुरू कर दिया। विरोध करने पर तरह- तरह की यातनाएं देनी शुरू कर दी। उन दोनों को परिवार के बाकी सदस्यों से अलग रखा जाने लगा और हर रोज ठेकेदार व उसके साथी उनके साथ दुष्कर्म करते थे। पुलिस ने भट्ठे के ठेकेदार नरेश कुमार, उमेश कुमार, कप्तान शर्मा के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है।

भट्ठे पर महिला मजदूरों के साथ दुष्कर्म करने के आरोपियों को गिरफ्तार न किए जाने पर डीएसपी वीरेंद्र सिंह से बहस करते बंधुआ मुक्ति मोर्चा के सदस्य।

"धनाना के भट्ठे पर मजदूर महिलाओं से दुष्कर्म की शिकायत आई है। अभी मेडिकल कराने के निर्देश दे दिए हैं। पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यदि इसमें किसी पुलिस कर्मी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।"
वीरेंद्र सिंह, डीएसपी

समझौते के लिए धमकाया तो हुआ हंगामा

पीड़ित परिवार रविवार दोपहर बाद करीब तीन बजे मुक्ति मोर्चा के सदस्यों के साथ डीएसपी से मिलने पहुंचा। मजदूरों ने डीएसपी वीरेंद्र सिंह व सुरेश हुड्डा को आपबीती बताई। इसी दौरान ठेकेदार के समर्थक कुछ लोग भी वहां पहुंच गए। बताया जाता है कि डीएसपी कार्यालय के बाहर वहां ठेकेदार व उसके लोगों ने धमकाया। इस बात को लेकर वहां हंगामा हो गया और मोर्चा सदस्यों के साथ ठेकेदार के सदस्यों की तीखी नोक झोंक हुई। इसके बाद ठेकेदार के समर्थक वहां से खिसक लिए। जब मजदूर बयान देकर बाहर आए तो उक्त लोग बाहर भी थे। मोर्चा सदस्यों की शिकायत पर पुलिस के जवानों ने उनमें से एक को मौके पर ही पकड़ लिया।

पुलिस ने नहीं किया सहयोग तो गए दिल्ली

पीड़ित महिलाओं ने बताया कि हर रोज मारपीट के दौरान एक मजदूर 19 को वहां से निकल भागा और पुलिस में जाकर शिकायत की। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस का एक कर्मचारी भट्ठे पर गया मगर ठेकेदारों पर कार्रवाई करने की बजाए उनके साथ सांठगांठ कर मजदूरों को ही धमका कर आ गया और कहने लगा तुम लोगों के साथ तो ऐसा ही होना चाहिए। उनके बच्चों को बंधक बनाकर उन्हें फिरौती के रुपये लाने के लिए बुलंदशहर भेजा गया। इसके बाद उन्होंने दिल्ली जाकर बंधुआ मुक्ति मोर्चा में शिकायत की। मोर्चा सदस्य निर्मल गोराना ने बताया कि हमें 23 अप्रैल को यह शिकायत मिली और उसी दिन एसपी कार्यालय में फैक्स भेज कार्रवाई के लिए कहा। कार्रवाई नहीं होने पर स्वयं यहां आए। छुड़वाए गए तीन युवकों मनोहर, धर्मवीर, प्रकाश ने बताया कि ठेकेदार उनके साथ बहुत मारपीट करता था। उसने उन्हें निर्वस्त्र कर उनकी वीडियो बनाई और उनके बाकी परिजनों को तीन लाख रुपये अपने गांव से लाने को कहा। साथ ही धमकी दी कि अगर रुपये नहीं लाए तो इन तीनों पर रेप का मामला दर्ज करवा देंगे।

...nd Central Governments. ...e also directed the officers ... Ram Nath, Sardari Lal, Ajit Kumar and Raj Kumar. ... Raghunath Bazaar is completed at the earliest. They ... Bubhneshwar Gandotra and Ajesh Rohemetra.

Bonded labourers tortured in brick kilns

STAFF REPORTER

...AMMU: The bonded ...bourers and child labour ... Raja Brick Kiln and ...oudhary Brick Kiln are ...ng tortured and forced ... work in all conditions ...oring their ill health ... minor age. This was ...closed by the office ...rers of an NGO ...nded Labour Liberation ...nt Dayanand Bhavan, ...f Ali road, Delhi' on ...urday in a press confer...e held at Press club ...nmu.

...he speakers said that the ...ing Director of the ...bour Librtion Front ...mal Gorana, Voice for ...hts Director Deepika ...gh Rajawat, Naib ...sildar R S Pura along ... police reached the ... and heard the ...bonded Mazdoors ...r children who were demanding to go back to Chhatisgarh. The team found that the labour was forcibly brought to Jammu and forced to work. Acting Director of the Forum during interaction with one of the labourer Piyari Devi she disclosed that their group was brought back from Srinagar by Jamadar and was asked to work till they defray the loan of Rs 1 lakh.

The speakers disclosed that Brick kiln owners Raja , Mohander Choudhri and President Brick Kiln Association Jagjit Singh said that the labourers which has already received the advance payment will have to work irrespective of their social problems.

The forum has appealed to the Government of Jammu and Kashmir to carry out a survey of such bonded labour in the State and action should be taken to make them free and also the efforts be made for their resettlement. They further said that if no action is taken in this direction the forum will knock the door of the Court besides holding a Dharna in front of Jammu and Kashmir Bhavan Delhi under the leadership of Swami Agnivesh.

Bonded Labour Liberation Front member addressing media persons at Jammu.

5.4 magnitude quake rocks Kashmir

STATE TIMES NEWS

SRINAGAR: A moderate intensity quake, measuring 5.4 on the Richter scale, on Saturday hit the Kashmir valley, including summer ...

...e eve check up camp organised

ईंट भट्ठों पर मजदूरों का हो रहा शोषण

आरएसपुरा : सीमावर्ती आरएसपुरा के गांव आगराचक्क और पोरोपाना में ईंट भट्ठों में कथित जबरन मजदूरी कराने के मामले में प्रशासन ने करीब पचास मजदूरों से पूछताछ की। इनमें महिलाएं व बच्चे भी शामिल थे। कुपोषण की शिकार दो महिलाओं को वापस उनके पैतृक गांव छत्तीसगढ़ भेज दिया गया।

इससे पूर्व बंधुआ मुक्ति मोर्चा के सदस्यों ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन कर प्रशासन पर आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर में अन्य राज्यों के मजदूरों को भट्ठों में बंधुआ बनाकर रखा जा रहा है। बाल मजदूर भी शामिल हैं। जब भट्ठे पर काम बंद हो जाता है तो मजदूरों को कश्मीर के विभिन्न इलाकों में सौदा कर बेच दिया जाता है। मोर्चा के कार्यवाहक निदेशक निर्मल गोराना व वाइस फार राइट्स की निदेशक दीपिका सिंह राजावत ने कहा कि पुलिस और प्रशासन के उदासीन रवैये के कारण कई परिवार भट्ठा मालिकों की गुलामी सह रहे हैं। दीपिका ने आरोप लगाया कि भट्ठों में बाल अधिकारों का हनन हो रहा है। बच्चों के लिए शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। मजदूरों को पंद्रह घंटे काम के बाद भी प्रतिदिन दो वक्त का भोजन नहीं मिल पाता। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस एवं ईंट भट्ठा मालिकों की मिलीभगत से मामले को दबाया जा रहा है।

प्रशासन की टीम प्रवासी मजदूरों से बातचीत करती हुई। जागरण

• प्रशासन ने कार्रवाई कर दो महिला मजदूरों को छत्तीसगढ़ भेजा

प्रशासन पर जब अंगुली उठी तो आनन-फानन में प्रशासन भी सकते में आ गया। एसडीएम आरएसपुरा मुहम्मद यूसुफ मलिक, तहसीलदार अनिल मगोत्रा, उपजिला पुलिस अधिकारी दिवाकर सिंह व थाना प्रभारी भरत शर्मा ने राजा ईंट भट्ठा एवं पोरोपाना के चौधरी ईंट भट्ठा में काम करने वाले प्रवासी श्रमिकों का दुखड़ा सुना। पूछताछ में महिलाएं काफी सहमी दिखीं। प्रशासन ने पाया कि कुछ महिलाओं की हालत सही नहीं है और वे कुपोषण का भी शिकार हैं। इसके बाद दो महिलाओं को उनके पैतृक निवास छत्तीसगढ़ भेज दिया गया।

...ों पर छापे

ALPHA MISSION SCHOOL
VILLAGE GHO-RAKWALAN, SWANKHA (SAMBA)

दो बधुआ मजदूर मुक्त

दिन-रात काम लेने पर भी नहीं मिलती थी पगार

अमर उजाला ब्यूरो

जम्मू। बंधुआ मुक्ति मोर्चा ने आरएस पुरा के ईंट के भट्ठे से दो बंधुआ मजदूरों को छुड़ाया। इन बंधुआ मजदूरों को डीसी जम्मू के पास जाकर उनके परिवार के अन्य सदस्यों को भी छुड़ाने की अपील की। डीसी जम्मू ने इस मामले की जांच एसडीएम आरएस पुरा को सौंपी है।

जम्मू पहुंचे छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी करण और विश्वकर्मा ने बताया कि वे कई माह तक श्रीनगर के ईंट के भट्ठे में काम करते रहे हैं। उन्हें जबरन आरएस पुरा के आगरा चक्क में ईंटों के भट्ठे में लाया गया। उनके परिवार के कुल 24 सदस्य हैं, जो दिनभर भट्ठे में काम कर रहे हैं। उन्हें मेहनताना भी नहीं दिया जाता है। उनके बच्चे भी इस काम में लगे हैं। वे वहां से भाग भी नहीं सकते हैं और उन पर पहरा लगा रहता है। जो ठेकेदार उन्हें श्रीनगर लाया, उसके साथ ठेका खत्म हो गया और तीसरे ठेकेदार ने उन्हें आरएस पुरा भेज दिया। हालांकि उन्होंने श्रीनगर में ही काम करने की इच्छा जताई और आरएस पुरा में काम करने से मना कर दिया था। इसके बावजूद जबरन जम्मू लाया गया।

वे और उनका परिवार दहशत भरे माहौल में काम कर रहे हैं और उन्हें घर भी नहीं जाने दिया जा रहा है। मोर्चा के कार्यकारी निदेशक निर्मल के अनुसार इससे पहले भी इन मजदूरों को ईंट भट्ठों के मालिक के चंगुल से छुड़ाने का प्रयास किया गया था लेकिन मोर्चा के सदस्य असफल रहे थे। उन्होंने आरोप लगाए कि प्रशासन और पुलिस भट्ठों के मालिकों से मिले हैं। मजदूर लगातार प्रताड़ित हो रहे हैं और बच्चों से भी काम लिया जा रहा है।

परिवार के 24 सदस्य भी काम में लगे